बरेली, रविवार
13 नवंबर, 2022
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 22+4=26

दैनिक जागरण

Page No. 12 : Middle

एसआरएमएस के मैदान में कूच बिहार मैच के दौरान खिलाड़ियों के साथ मंत्री धर्मपाल सिंह, सांसद संतोष गंगवार, देवमूर्ति, महापौर उमेश गौतम, आदित्य मूर्ति, विधायक डा .डीसी वर्मा, एडीजी राजकुमार● जागरण

प्रशांत के छक्कों ने दिलाई माही की याद

शुभम शर्मा● बरेली

एसआरएमएस क्रिकेट ग्राउंड पर पहली बार हो रही कूच बिहार ट्राफी अंडर-19 में पहले दिन उप्र के लिए खेल रहे प्रशांत वीर के छक्कों ने बरेली को भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धौनी की याद दिला दी। धोनी ने 2004 में इसी मैदान पर मैत्री मैच खेलते हुए कई शानदार छक्के लगाए थे। आतिशी पारी खेल रहे प्रशांत अपने शतक से मात्र दो रन पीछे रह गए। उन्होंने 97 गेंदों में 10 चौके और चार छक्के की मदद से 98 रन बनाए। बाद में कैच आउट हो गए।

उप्र की टीम ने शुरुआत अच्छी की, लेकिन चार विकेट गिरने के बाद दर्शकों के चेहरे मुरझाने लगे थे। पांचवें नंबर पर उतरे प्रशांत वीर ने चौथी बाल पर छक्का लगाकर गेंद को स्टेडियम से बाहर पहुंचाया। प्रशंसकों के चेहरे पर फिर एक बार उम्मीदें चमक उठीं। हर जुबां पर सिर्फ यही शब्द थे कि प्रशांत ने

- 2004 में महेंद्र सिंह धौनी ने भी एसआरएमएस क्रिकेट ग्राउंड पर लगाए थे छक्के

महेंद्र सिंह धौनी की याद दिला दी। बच्चों से लेकर बड़ों तक की जुबां पर उन्हीं का नाम था। इससे पहले सांसद संतोष गंगवार, कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह, महापौर डा. उमेश गौतम, विधायक डा. डीसी वर्मा, एडीजी जोन राजकुमार, मंडलायुक्त संयुक्ता समदार, आइजी रमित शर्मा, एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देवमूर्ति, बरेली क्रिकेट एसोसिएशन के संरक्षक व एसआरएमएस ट्रस्ट के सचिव आदित्य मूर्ति, बरेली क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष सरफराज वली खान, सचिव सीताराम सक्सेना ने आसमान में रंग-बिरंगे गुब्बारे उड़ाकर और खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर मैच का उद्घाटन किया।

जिम में नहीं, प्रकृति की हवा में तैयार होते हैं अच्छे खिलाड़ी

वर्तमान में क्रिकेट ही नहीं, अन्य खेलों में भी देश में कई प्रतिभावान खिलाड़ी हैं, लेकिन अच्छा स्वास्थ्य न होने के चलते वह देश के लिए ज्यादा समय नहीं खेल पाते। वहीं 10-15 साल पीछे जाएं तो खिलाड़ी लंबे समय तक खेलकर दर्शकों को रोमांचित करते थे। ऐसा सिर्फ इसलिए है कि जहां पहले खिलाड़ी प्रकृति की हवा, बाग-बगीचे और खुले मैदान में अभ्यास कर शरीर को मजबूत बनाते थे। वहीं, अब खिलाड़ी जिम में एसी की हवा में पसीना बहाकर स्वस्थ रहने में विश्वास रखते हैं। यह बातें शनिवार को कूच बिहार ट्राफी में पहुंचे उप्र क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) के निदेशक युद्धवीर सिंह ने कहीं। बोले, सफलता का कोई शार्टकट नहीं होता। सचिव प्रदीप गुप्ता ने कहा कि प्रदेश में बहुत प्रतिभा है। खिलाड़ी को अगर जल्दी सफलता नहीं मिलती है तो ऐसा नहीं कि वह दो या चार बार प्रयास करने के बाद हिम्मत हार जाए। उसे सफलता मिलने तक कड़ी मेहनत करते रहना चाहिए।